

**complete
solution**

U L M

**UNIVERSAL
LIFE MANAGEMENT**



नया अर्थशास्त्र

एक नयी सामाजिक आर्थिक व्यवस्था जिसके द्वारा हम सभी प्रकार के सुख, सुविधाएं और खुशियां प्राप्त कर सकते हैं वो भी बिना कोई समस्या पैदा किये।



वर्तमान अर्थशास्त्र की समस्या



आपकी मांग **धन** पर
निर्भर करती है।

ये 9
नियम है।

वर्तमान अर्थशास्त्र की समस्या

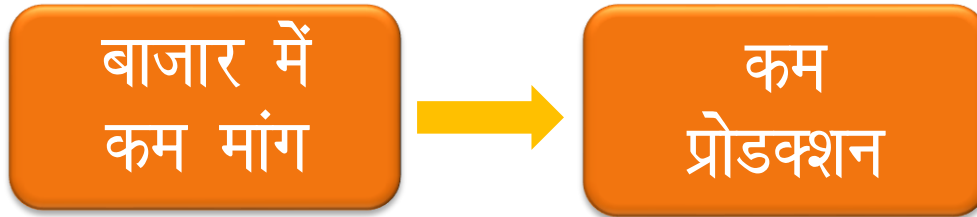
बाजार में
कम मांग



आपकी मांग **धन** पर
निर्भर करती है।

ये 9
नियम है।

वर्तमान अर्थशास्त्र की समस्या



आपकी मांग **धन** पर
निर्भर करती है।

ये 9
नियम है।

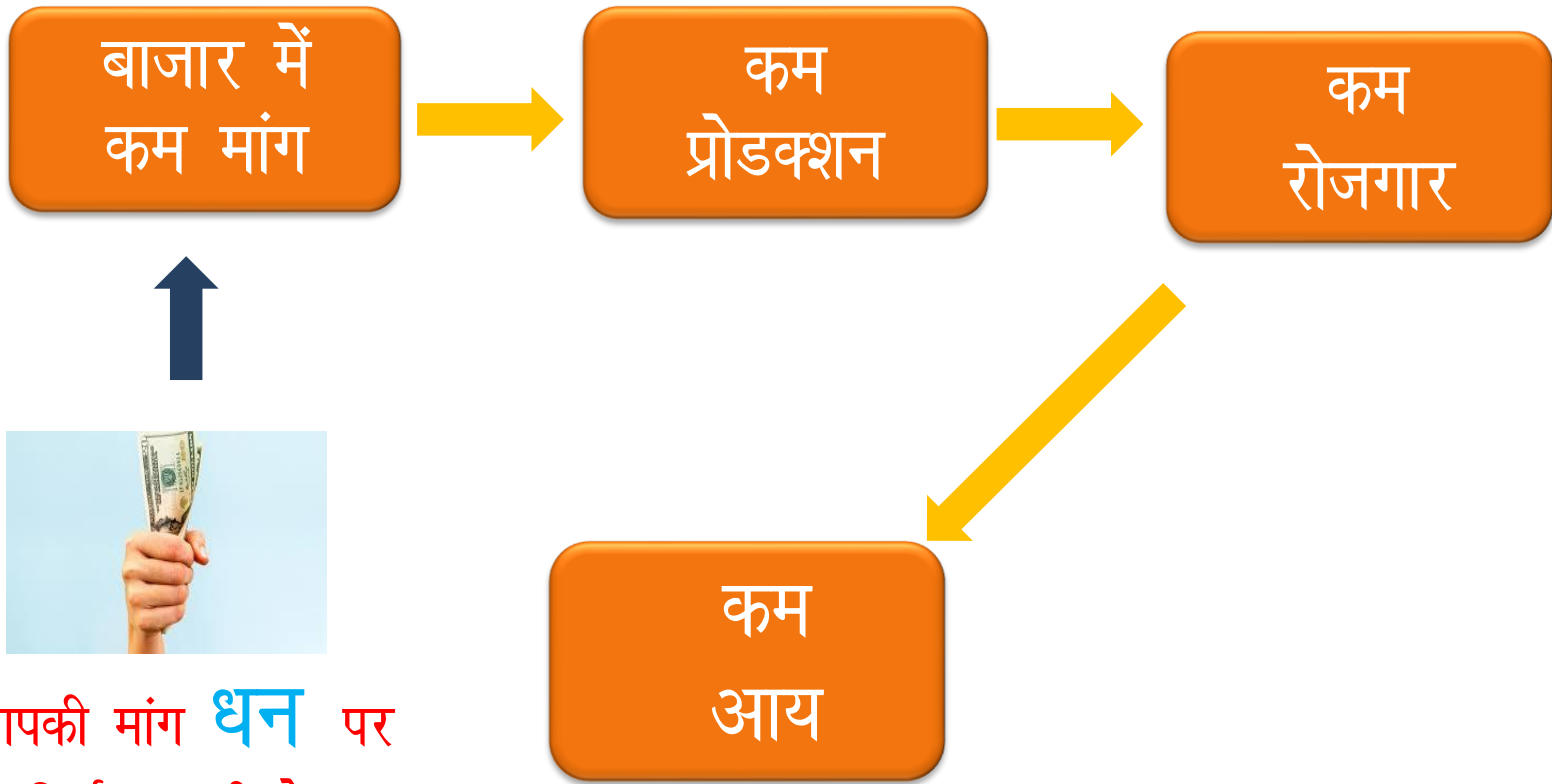
वर्तमान अर्थशास्त्र की समस्या



आपकी मांग **धन** पर
निर्भर करती है।

ये 9
नियम है।

वर्तमान अर्थशास्त्र की समस्या



आपकी मांग **धन** पर निर्भर करती है।

ये 9 नियम है।

वर्तमान अर्थशास्त्र की समस्या



आपकी मांग **धन** पर निर्भर करती है।

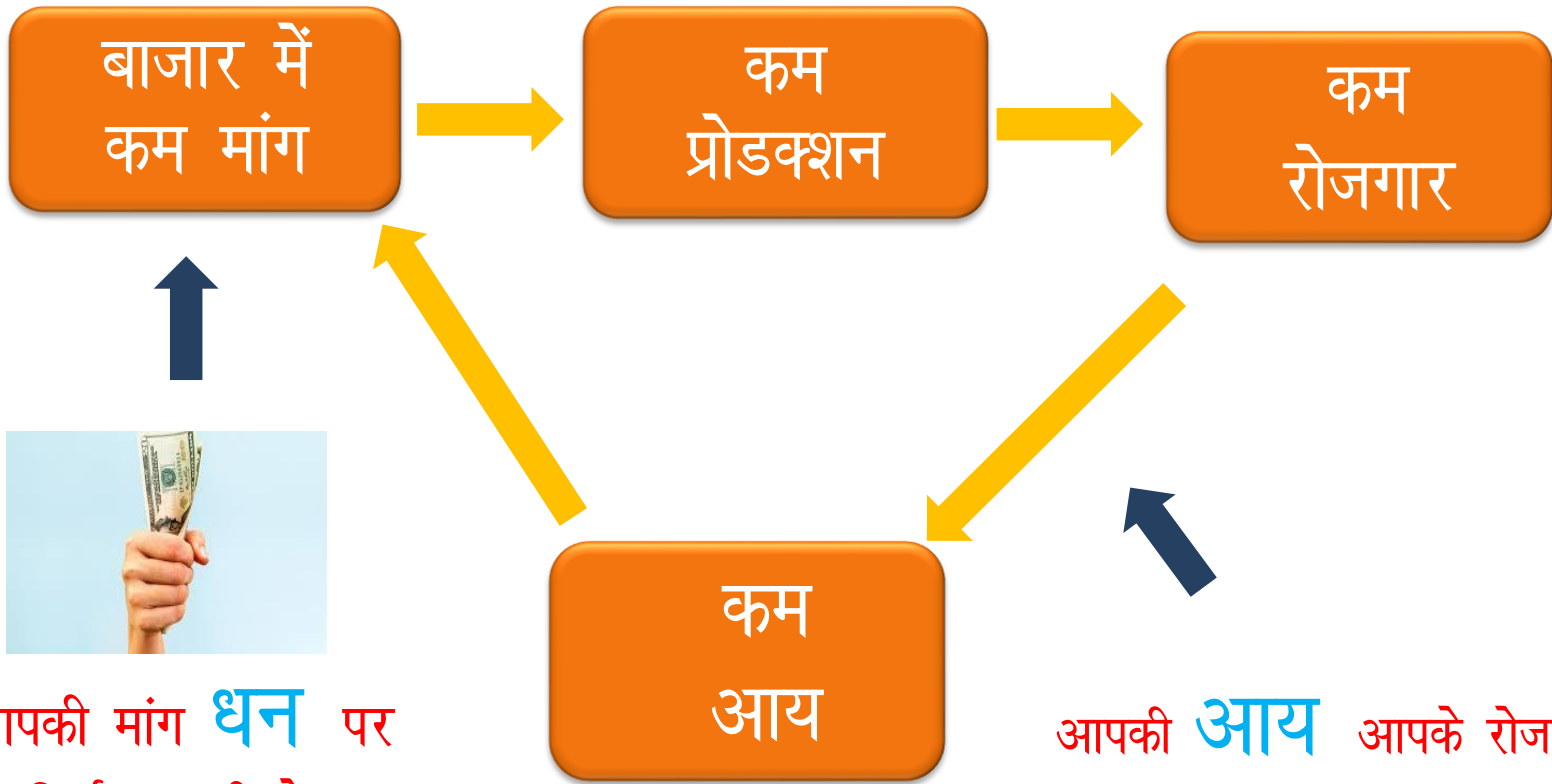
ये १ नियम है।



आपकी **आय** आपके रोजगार पर निर्भर करती है।

ये २ नियम है।

वर्तमान अर्थशास्त्र की समस्या



आपकी मांग **धन** पर निर्भर करती है।

ये १ नियम है।

आपकी **आय** आपके रोजगार पर निर्भर करती है।

ये २ नियम है।

निष्कर्ष

इस दोनों नियमों के कारण देश की **सकल घरेलू आय** सदा कम ही बनी रहती है।
अर्थात् **गरीबी** ही बनी रहती है समाज में।

नया अर्थशास्त्र, समाधान



आपकी मांग धन पर
निर्भर ना करे तो।



यदि ये
नियम बना दें।

नया अर्थशास्त्र, समाधान

बाजार में
अधिकतम मांग



आपकी मांग धन पर
निर्भर ना करे तो।



यदि ये
नियम बना दें।

नया अर्थशास्त्र, समाधान

बाजार में
अधिकतम मांग



अधिकतम
प्रोडक्शन



आपकी मांग धन पर
निर्भर ना करे तो।



यदि ये
नियम बना दें।

नया अर्थशास्त्र, समाधान

बाजार में
अधिकतम मांग

अधिकतम
प्रोडक्शन

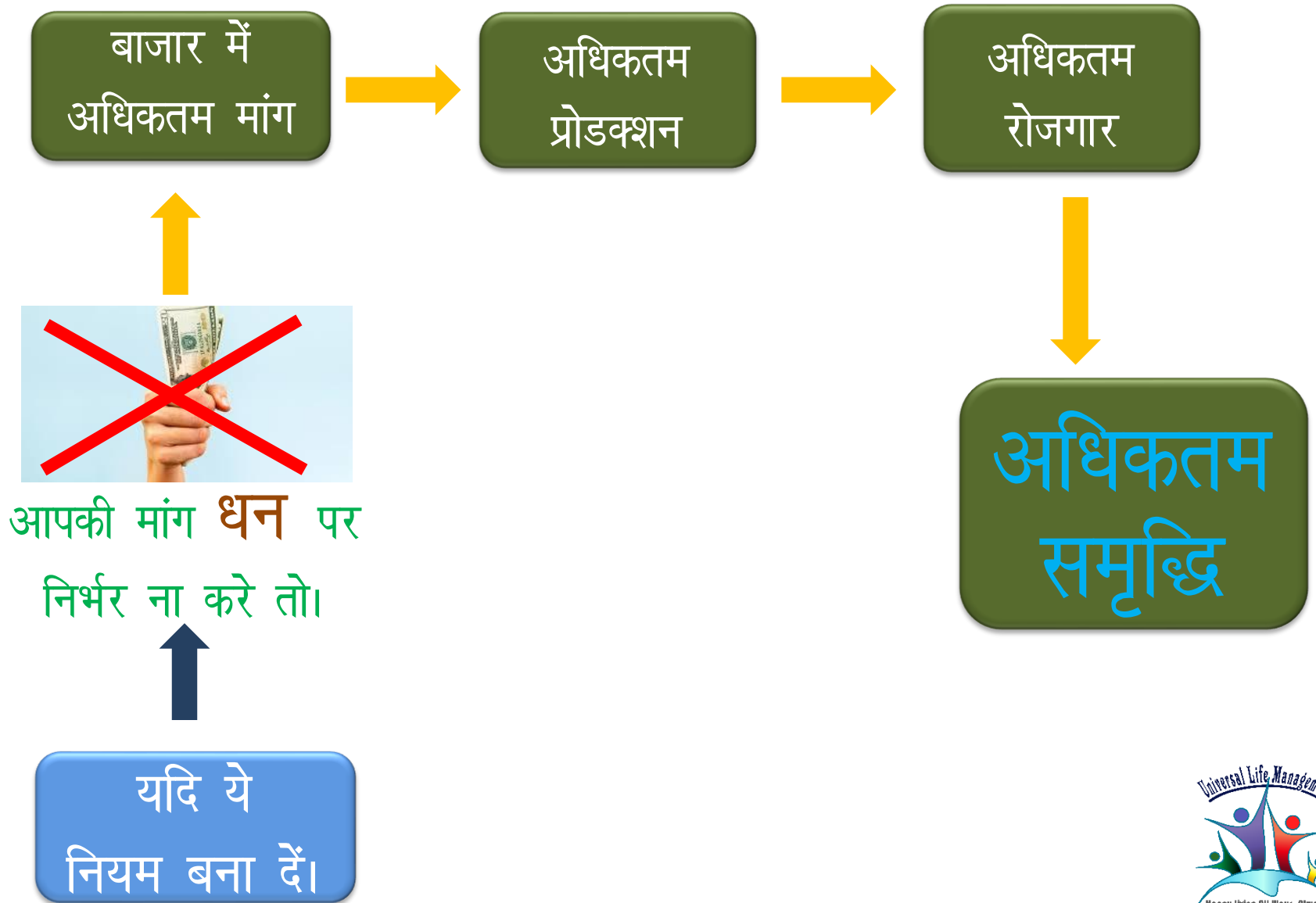
अधिकतम
रोजगार



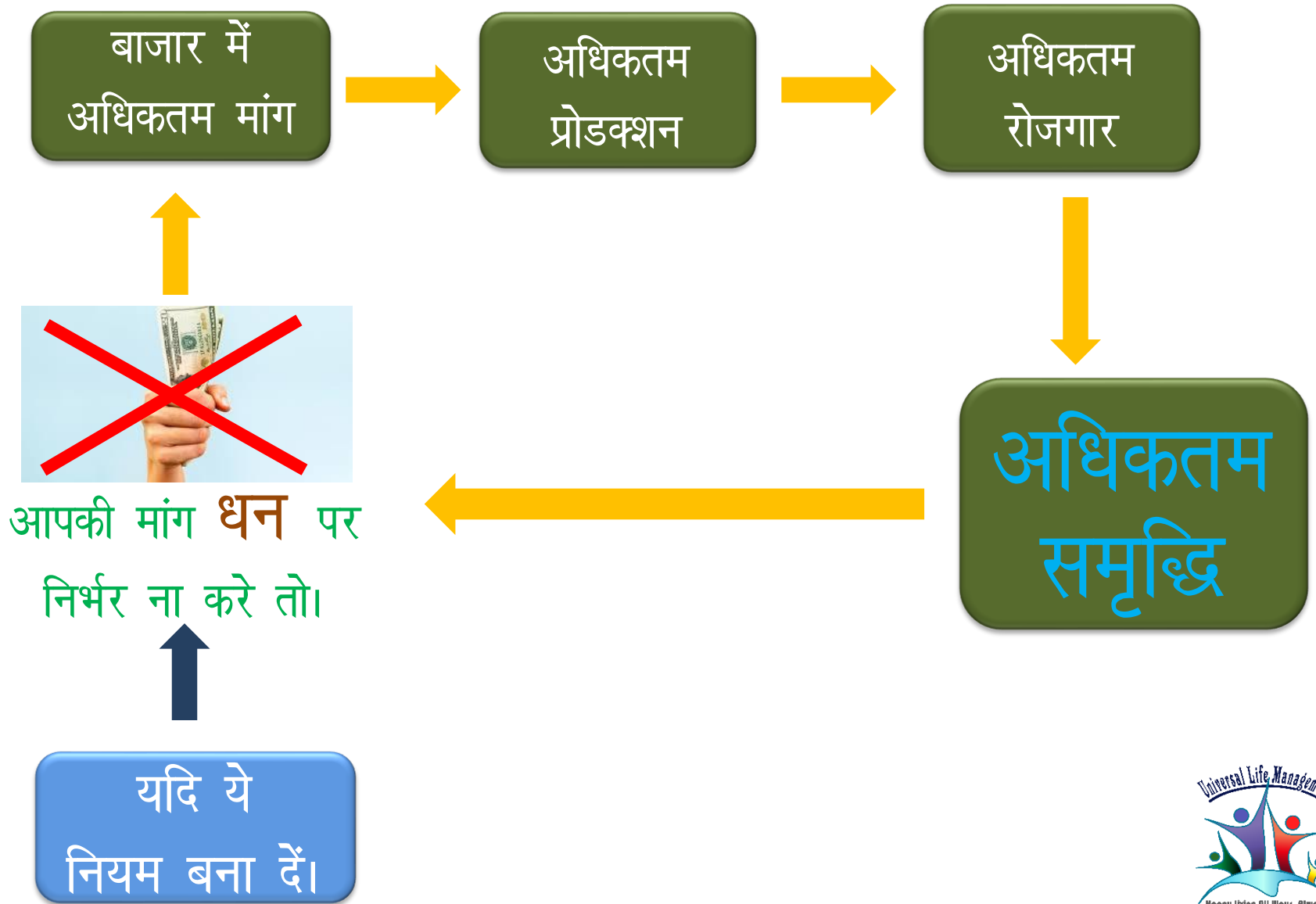
आपकी मांग धन पर
निर्भर ना करे तो।

यदि ये
नियम बना दें।

नया अर्थशास्त्र, समाधान



नया अर्थशास्त्र, समाधान

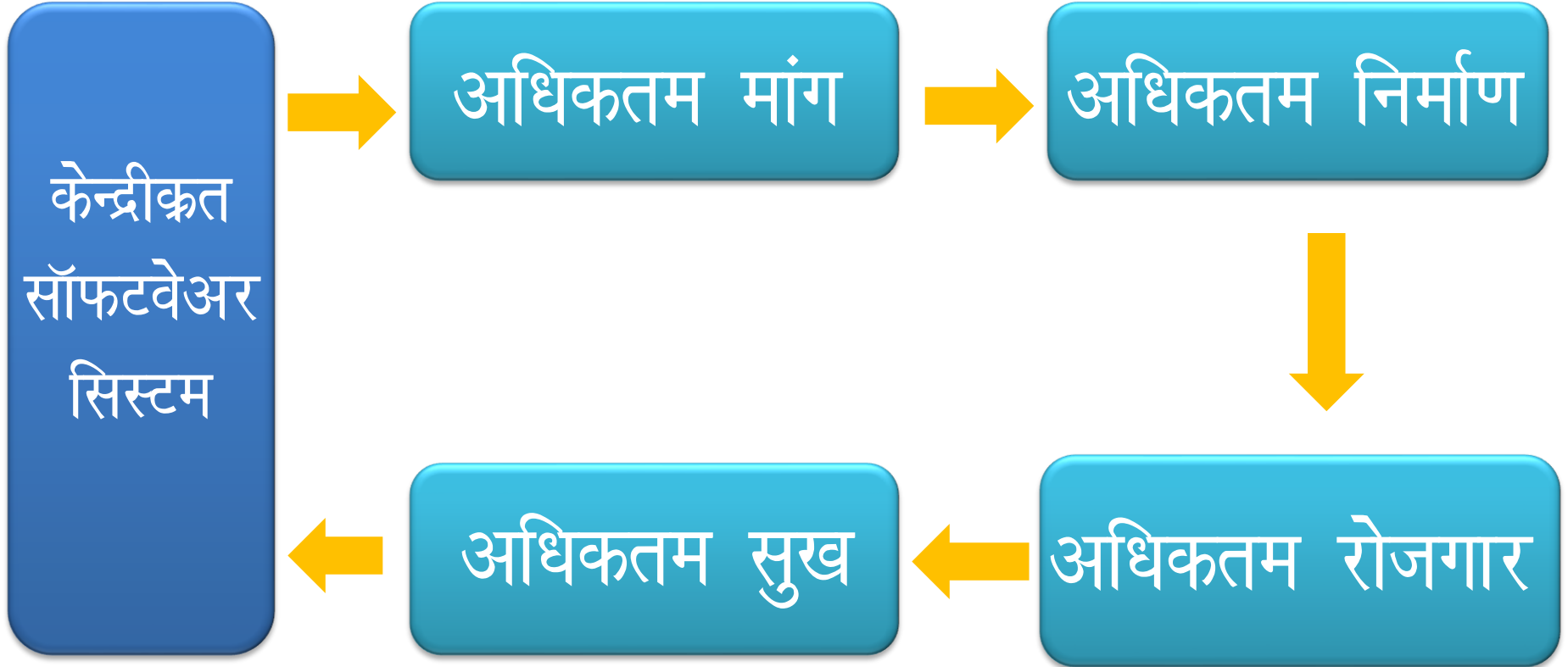


निष्कर्ष

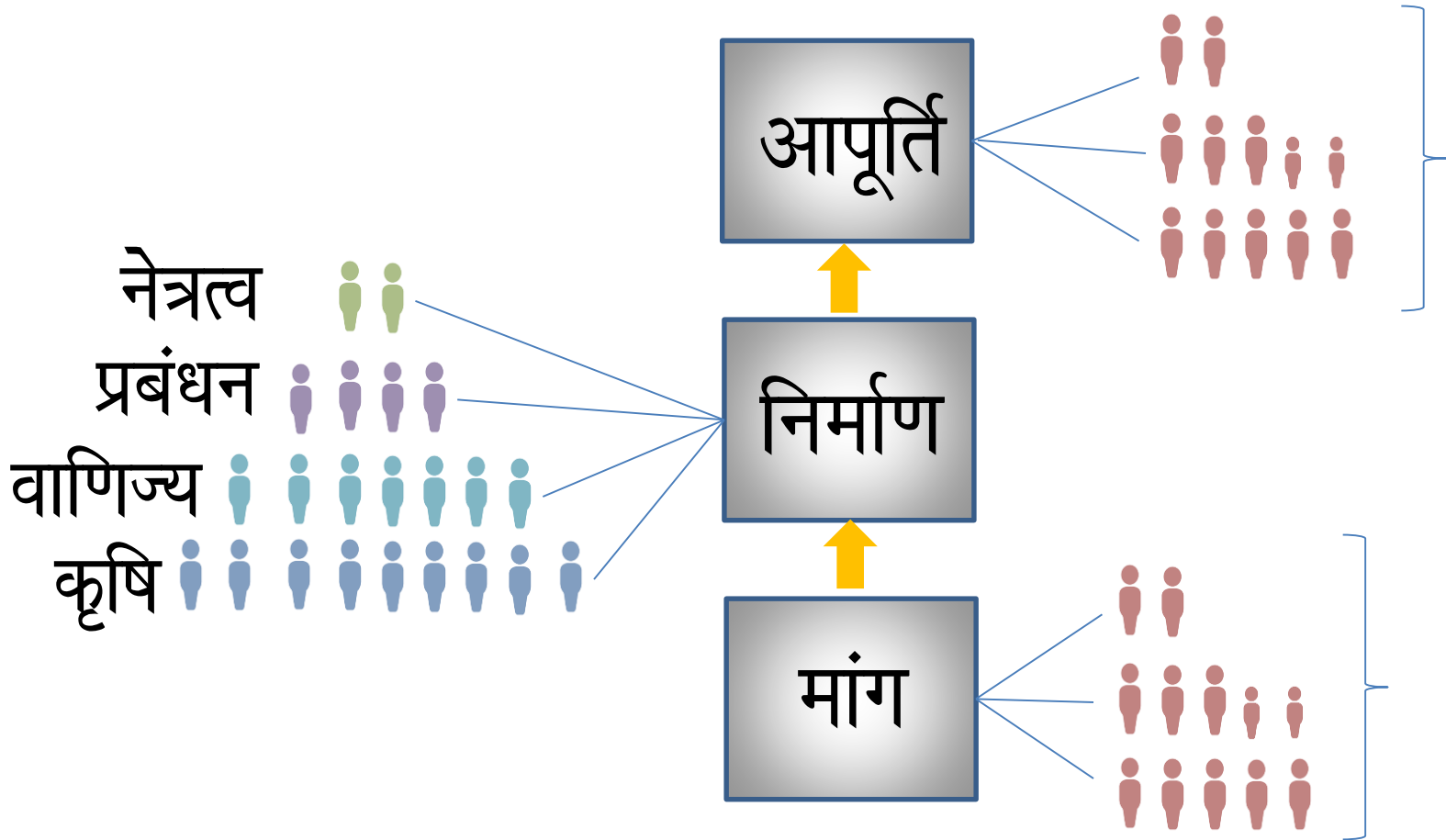
ऐसा करने पर देश की **सकल घरेलू आय** अधिकतम हो जायेगी। अर्थात्

समृद्ध समाज

नया अर्थतंत्र



मांग, निर्माण और आपूर्ति प्रबन्धन



सभी के लिए समान जीवन स्तर होगा पर क्यों, समझें।

- सभी रोजगार का महत्व बराबर
- वस्तुओं का कोई मूल्य नहीं।
- श्रम का कोई मूल्यांकन नहीं।
- अहिंसा, द्वेष, घृणा, लूट, झूठ, युद्ध आदि।

समान वेतन का आधार

- प्रतिद्वंद्विता।
- आर्थिक असमानता
- सभी अपराध
- अर्थशास्त्र का उद्देश्य प्राप्त नहीं होगा।
- तो कोई मुद्रा नहीं होगा।

लोगों के लिए यूजर इंटरफेस

आपका प्रोफाइल

आपका सपोर्ट

शिकायते

बायो डाटा

User Information

Family Information

Schedule Planner

Social Network

शिक्षा

Acquired Education

Desired Education

Schedule Planner

Satisfaction Index

रोजगार

Acquired Work Experience

Desired Employment

Schedule Planner

Satisfaction Index

सामाजिक सुविधा

Membership Clubs & Forums

Desired Facility

Schedule Planner

Satisfaction Index

संरक्षण

Healthcare Services

Banking Services

Schedule Planner

Satisfaction Index

आपकी मांगे

नये प्रोडक्ट
और सेवाएं

मांग का स्टेटस

संतोष का पैमाना

This portal will be available on various digital platforms such as mobile app, web portal etc.



केन्द्रीकृत सॉफ्टवेअर योजना

केन्द्रीकृत सॉफ्टवेअर
सिस्टम

मांग करने का
सिस्टम

निर्माण प्रबंधन
सिस्टम

आपूर्ति सिस्टम

प्राकृतिक संसाधन
प्रबंधन सिस्टम

मानव संसाधन
प्रबंधन सिस्टम

कार्यगत योजना,
मुल्यांकन आदि सिस्टम

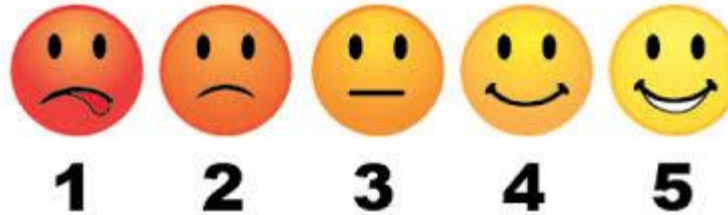
समृद्धि का मानक क्या हो?

खुशी का माक- यहां ज्ञान, कर्म और भोग की अलग अलग
और व्यक्तिगत रेटिंग होगी।

शिक्षण प्रशिक्षण की
संतुष्टि रेटिंग

रोजगार की संतुष्टि
रेटिंग

सभी भोगों की संतुष्टि
रेटिंग



नये अर्थशास्त्र के लाभ

कोई वैस्टेज नहीं क्योंकि मांग के आधार पर निर्माण

कोई टैक्स नहीं

कोई सस्ताई महंगाई नहीं

व्यक्तिगत बीमा की कोई जरूरत नहीं

विमुद्रीकरण मुद्रा की कमी आदि की कोई समस्या कभी नहीं आएगी।

एक ही मानक के प्रोडक्ट्स और सेवाएं और सुविधाएं।

अलग से कोई प्रचार की जरूरत नहीं

बाजार की कोई जरूरत नहीं।

किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार की कोई सम्भावना नहीं

यातायात समस्या नहीं।

सभी को समानता का वास्तविक अधिकार, सभी प्रकार की सुरक्षा।

कोई अमीर या गरीब नहीं। सभी को सभी कुछ मिलता रहेगा।

कोई लाभ हानि का या प्रतिद्वंद्विता का खतरनाक खेल नहीं। बल्कि स्वभाविक प्रतियोगिता होगी।

सबके लिए समानता से सभी कुछ पर्याप्त मात्रा में रहेगा।

कोई भी प्रकार का प्रदूषण नहीं

अच्छी जिंदगी जीने के लिए पहले धन होने की कोई बाध्यता नहीं।

एक जैसे कई प्रोडक्ट होने की कोई जरूरत नहीं। जोभी होगा उच्च गुणवत्ता का होगा।

बहुत सारे अनावश्यक कार्य स्वतः समाप्त हो जायेंगे।

लोग आनंद के लिए ही कार्य करेंगे। नाकि जीवन चलाने के लिए मजबूरी में।

सही पदों पर सही लोग पहुंच सकेंगे आसानी से। तो सारे कार्य उच्च गुणवत्ता व समय से होंगे।

छोटा एवं सरल संविधान ताकि सभी आसानी से समझ सकें और सरलता एवं स्वभाविकता से पालन कर सकें।

सभी को समान मानक उच्च गुणवत्ता वाला जीवन

सबकुछ उच्च गुणवत्ता और सही नवीनीकरण लिए रहेगी। जिसमें वैज्ञानिकता रहेगी।

सभी का मुल्य एक ही सूत्र के आधार से न्यायपूर्वक निर्धारित होगा।

विज्ञान और तकनीक सही दिशा में रहेंगे।

मुद्रा का प्रयोग केवल सरकार के साधन के तौर पर सरकार के द्वारा ही होगा।

सभी प्रकार की सम्पदा सामाजिक होगी नाकि व्यक्तिगत।

सभी सच्ची स्वतंत्रता अनुभव करेंगे।

GDP के बजाय **खुशी** ही मानक होगा समृद्धि का।

और भी बहुत



सभी का दिल से धन्यवाद

happiness of individual, family, society & world



इस दर्शन को साकार करने के लिए आओं तन, मन और धन से सहयोग करें। आप सभी का हार्दिक स्वागत है।

  YouTube [Universallifemanagement](https://www.youtube.com/Universallifemanagement)

<http://universallifemanagement.myfreesites.net/>

 @Univ_life_mgmt

